श्री कामाक्षी स्तोत्रं (परमाचार्य कृतं)

श्री कामाक्षी स्तोत्रं (परमाचार्य कृतं)

मंगळचरणे मंगळवदने मंगळदायिनि कामाक्षि |
गुरुगुहजननि कुरु कल्याणं कुंजरिजननि कामाक्षि || 1 ||

हिमगिरितनये मम हृदिनिलये सज्जनसदये कामाक्षि |
गुरुगुहजननि कुरु कल्याणं कुंजरिजननि कामाक्षि || 2 ||

ग्रहनुतचरणे गृहसुतदायिनि नव नव भवते कामाक्षि |
गुरुगुहजननि कुरु कल्याणं कुंजरिजननि कामाक्षि || 3 ||

शिवमुखविनुते भवसुखदायिनि नव नव भवते कामाक्षि |
गुरुगुहजननि कुरु कल्याणं कुंजरिजननि कामाक्षि || 4 ||

भक्त सुमानस तापविनाशिनि मंगळदायिनि कामाक्षि |
गुरुगुहजननि कुरु कल्याणं कुंजरिजननि कामाक्षि || 5 ||

केनोपनिषद्वाक्यविनोदिनि देवि पराशक्ति कामाक्षि |
गुरुगुहजननि कुरु कल्याणं कुंजरिजननि कामाक्षि || 6 ||

परशिवजाये वरमुनिभाव्ये अखिलांडेश्वरि कामाक्षि |
गुरुगुहजननि कुरु कल्याणं कुंजरिजननि कामाक्षि || 7 ||

हरिद्रामंडलवासिनि नित्यमंगळदायिनि कामाक्षि |
गुरुगुहजननि कुरु कल्याणं कुंजरिजननि कामाक्षि || 8 ||

इति परमाचार्य कृत श्री कामाक्षी स्तोत्रं |